अहमदाबाद से प्रकाशित पाक्षिक R.N.I. No. 54975 /1994
Published on 15th & 30th of Every Month
Permited to post on 3rd & 17th every Month at A'bad PSO under postal Reg. No.
GAMC No. 1488/2017 - 2019 - Valid 2017 up to 31-12-2019

शुभ दिपावली

Website - http://www.sindhibandhu.com

सिन्धी बन्धु

गुजरात से सर्वप्रथम प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक पत्रिका

We are available at

E-mail: sindhibandhu@yahoo.in

E-mail: sindhibandhu@gmail.com

अधिष्ठापक तंत्री - हरिश भागवाणी

वर्ष *25 अंक 11 * दिनांक 30-10-2018 * संपादक: रेशमा भागवाणी * सहसंपादक : निर्मल भागवाणी * पृष्ठ : 4 * किंमत-1.00 * फोन-22822205 मो.:9429518141

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया

मन की बात / मोदी ने कहा- सरदार पटेल ने 500 रियासतों को एक किया, उनकी जयंती पर 31 अक्टूबर को दौड़ें युवा

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 49वीं बार देशवासियों से मन की बात की। उन्होंने इसमें विशेष तौर सरदार वल्लभ भाई पटेल, पर्यावरण और खेलों का जिक्र किया। मोदी ने कहा, ''31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती है। हर युवा रन फॉर यूनिटी के लिए दौड़ने को तैयार है। सब लोगों को एकता के लिए दौड़ में शामिल होना चाहिए। सरदार पटेल ने 500 से ज्यादा रियासतों को एक किया। टाइम मैगजीन ने लिखा था कि भारत पर सत्ता और खद्यान्न जैसे संकट मंडराते रहे हैं। मैगजीन ने सरदार पटेल का जिक्र इनसे निपटने के लिए किया था। गांधीजी के कहने पर उन्होंने हर समस्या का समाधान निकाला।''

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सबको गर्व

मोदी ने कहा, "सरदार पटेल की वजह से ही हम भारत माता को एक सूत्र में देख पा रहे हैं। इस बार उनकी जयंती खास होगी। हम इस दिन उनकी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण करेंगे। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है, जो स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी बड़ी है। हर भारतीय इस पर गर्व करेगा और देखना चाहेगा। कल ही हमने इन्फ्रैंट्री डे मनाया। मैं देश के शहीदों को नमन करता हूं।''

खेलों में आगे बढ़ रहे हैं हमारे युवा

प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश के युवा खेलों में परचम लहरा रहे हैं। खिलाड़ियों ने जकार्ता के पैरा ओलिंपिक में पदक जीते। मेरी उनसे मुलाकात हुई, आगे बढ़ने की ललक उनमें साफ दिखाई देती है। एशियन गेम्स में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत सिर्फ खेलों में ही नहीं, उन क्षेत्रों में भी रिकॉर्ड बना रहा है, जिनके बारे में सोचा भी नहीं होगा। भारत ने जूडो में कोई ओलिंपिक मेडल नहीं जीता। मणिपुर की 16 साल की खिलाड़ी तबाबी देवी ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। ये हर युवा के लिए प्रेरणा है। हमने 2017 में फीफा अंडर 17 वर्ल्डकप का आयोजन किया। देश के अलग-अलग स्टेडियम में 12 लाख से ज्यादा लोगों ने मैच देखे और युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।''

हॉकी वर्ल्डकप देखने ओडिशा जाएं

मोदी ने कहा, ''कुछ दिन बाद ओडिशा में हॉकी वर्ल्डकप शुरू होगा। यह 28 नवंबर से 16 दिसंबर तक चलेगा। हॉकी में भारत का स्वर्णिम इतिहास रहा है। आप भुवनेश्वर जाएं और भारत के साथ सभी देशों के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं।''

आदिवासियों के संसाधनों को नुकसान पहुंचाने पर वे लड़ते हैं

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ''आज पश्चिम के देश पर्यावरण संरक्षण की चर्चा कर रहे हैं और संतुलित जीवन शैली के रास्ते खोज रहे हैं। हमें अपने जनजातीय समुदाय से सीखना है। कैसे वो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहते हैं। हम पीपल और वट जैसे वृक्षों की पूजा करते हैं। महाराष्ट्र और मणिपुर में बाघों को जंगल के रक्षक के तौर पर देखा जाता है। आदिवासी समुदाय अपने घरों को प्राकृतिक साधनों से बनाते हैं। जब कोई आदिवासियों के संसाधनों को नुकसान पहुंचाता है तो वे लड़ने से भी नहीं डरते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले बिरसा मुंडा को कौन भूल सकता है।''

दुल्हन के पिता के सामने पराली न जलाने की शर्त

मोदी ने कहा, ''मैंने पंजाब के किसान गुरुवचन जी के बारे में पढ़ा। कुछ दिन पहले उनके बेटे का विवाह था। उन्होंने लड़कीवालों से कहा कि हमें कार्यक्रम सादा ही रखना है। उन्होंने दुल्हन के पिता के सामने पराली नहीं जलाने की शर्त रखी। गुरुवचनजी की यह बात सामान्य लगती है, लेकिन पर्यावरण के लिए काफी लाभदायक हो सकती है। पंजाब के कालरमाझरा के लोग भी धान की पराली को मिट्टी में मिला देते हैं।''

विश्व में शांति स्थापित करना हमारा लक्ष्य

मोदी ने कहा, "हमारे शांतिपाठ में प्रकृति और संपूर्ण ब्रह्मांड में शांति स्थापित करने की बात कही गई है। दुनिया में शांति की बात होने पर भारत का नाम सबसे ऊपर रखा जाता है। 11 नवंबर को प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हुआ था। इसमें हम सीधे तौर पर जुड़े नहीं थे, लेकिन हमारे सैनिकों ने युद्ध में पराक्रम दिखाया। हमारा लक्ष्य विश्व में शांति स्थापित करना था। आज शांति की परिभाषा बदल गई है। वैश्विक सहयोग से आंतकवाद के खिलाफ, गरीब और पर्यावरण के लिए काम करना ही शांति का लक्ष्य है।"

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी – लोकार्पण कार्यक्रम

२९ राज्यों एवं २ केंद्रशासित प्रदेशों के कलाकार देंगे रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

....

सशस्त्र एवं अर्धसैनिक बलों तथा राज्य पुलिस द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की केवड़िया में निर्मित १८२ मीटर ऊंचाई की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ३१ अक्टूबर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर देश के २९ राज्यों एवं २ केंद्रशासित प्रदेशों के कलाकारों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही सशस्त्र एवं अर्धसैनिक बलों तथा राज्य पुलिस द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

सरदार पटेल की जयंती को केवड़िया कॉलोनी, नर्मदा में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। यहां आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत भारत की आंतरिक एवं सरहदों की सुरक्षा का दायित्व अपने कंधों पर उठाने वाले गुजरात पुलिस बल, एसआरपीएफ, सीआरपीएफ, सेना, नौसेना और वायुसेना के ७ कमर्शियल बैंड द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा, जब प्रधानमंत्री 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण करने को आगे बढ़ेंगे तब महानुभावों के साथ उनका देश के २९ राज्यों एवं २ केंद्रशासित प्रदेशों के श्रेष्ठ सांस्कृतिक वृंद अपनी सांस्कृतिक धरोहर की प्रस्तुति के जरिए स्वागत करेंगे।

सर्वप्रथम गुजरात पुलिस के बिगुल वादकों द्वारा महानुभावों का वेलकम बैंड से स्वागत किया जाएगा। इसके बाद माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा 'वॉल ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण करेंगे। तत्पश्चात समग्र देश से आए सांस्कृतिक समूह एक के बाद एक प्रस्तुति देंगे।

इसमें केरल का पंचवाघम, तमिलनाडु का दमी होर्स, कारागम, कावडी और आंध्र प्रदेश का गरागुलु, पुडुडुचेरी का केलीअट्टम, कर्नाटक का लेडीज, ढोलुकुनिठा (कोरबा के भरवाड़ समाज के पुरुषों का ढोल के साथ वीर रस को दर्शाता नृत्य), तेलंगाना का मथुरी नृत्य, छत्तीसगढ़ का पंथी नृत्य, दमण का मच्छी नृत्य जिसमें मछुआरे समुद्र से लौटते वक्त अपने आनंद-उल्लास को प्रगट करते हैं, अरूणाचल प्रदेश का रिख्खमपड़, आसाम का बीहू नृत्य (इसमें वसंत के आगमन के स्वागत और मानवीय प्रेम को दर्शाया जाता है), मेघालय का वांगला, मिजोरम का चेरो नृत्य (इस नृत्य में बांस का उपयोग होता है इसलिए इसे बांबू डांस कहते हैं। बांस को आड़ा और समानांतर रखकर दोनों सिरों से अलग-अलग व्यक्ति इसे पकड़ते हैं और लयबद्ध तरीके से टकराकर ताली नृत्य करते हैं), नागालैंड का मकुहेनगिची (वॉर डांस), त्रिपुरा का होजागिरी, सिक्कीम का संगहिचाम, पंजाब का भांगड़ा, जम्मू-कश्मीर का रौफ नृत्य, हिमाचल प्रदेश का हिमाचली नटी, झारखंड का पैका नृत्य, बिहार का होली और जली जला, ओडिशा का गोटीपुआ (देवदासी और महारी प्रथा समाप्त होने के बाद नर्तकों द्वारा यह ओडिशी नृत्य प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें अंग कसरत और व्यायाम के विभिन्न आसनों का भी समावेश होता है), हरियाणा का घूमर (होली, गणगौर पूजा एवं तीज जैसे त्यौहारों में स्त्रियों द्वारा किया जाने वाला परंपरागत नृत्य), मध्य प्रदेश का बधाई नृत्य, उत्तराखंड का छापेली, राजस्थान का लांगा घेर नृत्य (होली के समय खेला जाता है। पैरों में घूंघरी, साफे के साथ ढोल और थाली पर युद्ध कला की प्रस्तुति नृत्य द्वारा की जाती है), मणिपुर का ढोल, ढोलक और चोलम नृत्य (इसमें तलवार और भाले से युद्ध कला का प्रदर्शन नृत्य द्वारा किया जाता है), गुजरात का सिदी धमाल नृत्य, गोवा का मूसल खेल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का मयूर नृत्य एवं पुरुलिया, गुजरात का बाराती ढोल (गुजरात के लोक वाद्य व ढोल की प्रस्तुति), महाराष्ट्र का सांगी मुखौटा, गुजरात के डांगी वाद्य (डांग क्षेत्र के आदिवासी लोगों द्वारा लोक वाद्यों की प्रस्तुति), गुजरात का राठवा नृत्य (यह आदिवासी लोक नृत्य होली और विवाह अवसर पर प्रस्तुत किया जाता है। इसमें बड़े ढोल और बांसुरी का उपयोग कर स्त्री-पुरुष परंपरागत वेशभूषा में नृत्य की प्रस्तुति करते हैं। इसको यूनेस्को द्वारा हेरिटेज नृत्य घोषित किया गया है) देश के हर हिस्से की अनूठी नृत्य कला सभी महानुभावों का मन मोह लेगी।

राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर समान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बाद माननीय प्रधानमंत्री स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की तरफ आगे बढ़ेंगे तब भारत देश की आन-बान और शान समान पुलिस बल और सीमाओं की सुरक्षा करने वाले सशस्त्र बलों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें गुजरात पुलिस बल द्वारा वंदेमातरम, एसआरपीएफ द्वारा ऐ मेरे वतन के लोगों, सीआरपीएफ द्वारा देशों का सरताज भारत, बीएसएफ द्वारा मेरा मुल्क, मेरा देश, मेरा ये वतन, थल सेना द्वारा कदम कदम बढ़ाए जा, नौसेना द्वारा बीट नंबर-१ और वायुसेना द्वारा सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा जैसे गीतों की प्रस्तुति के माहौल को राष्ट्रभक्ति के रस से सराबोर किया जाएगा।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परिसर की प्रदर्शनीः सरदार साहेब के जीवन-कवन को जानने का अनमोल अवसर

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की पीठिका में बनाए गए प्रदर्शनी हॉल में १८ फुट ऊंची सरदार साहेब की अद्भुत कांस्य की प्रतिमा पर्यटकों को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की झांकी करवाएगी। एक वीडियो वॉल तैयार किया गया है जिस पर सरदार साहेब की विराटतम प्रतिमा के निर्माण की समग्र प्रक्रिया को दर्शाया जाएगा। इसके साथ ही एक ऑडियो-वीडियो कियोस्क भी तैयार करवाया गया है जिसमें इस विराटतम प्रतिमा के निर्माण में देश भर के लोगों को शामिल करने के लिए विभिन्न राज्यों में से लोहे और मिट्टी का एकत्रीकरण किया गया है। इसकी जानकारी भी टेक्नोलॉजी पूर्ण ढंग से कियोस्क में रखी गई है।

संपादकीय

नेशनल मेडिकल कमीशन और मेडिकल शिक्षा में गुणवत्ता का सवाल

देश में आधुनिक चिकित्सा शिक्षा व चिकित्सा व्यवसाय का नियंत्रण करने वाली स्वायत्त संस्था मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) को सरकार ने एक अध्यादेश से हाल ही में बर्खास्त कर अस्थायी व्यवस्था के रूप में छह सदस्यीय बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का गठन किया है। चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता कायम रखने, मेडिकल कॉलेजों का नियमित निरीक्षण व मान्यता देना, मेडिकल कॉलेजों के कोर्स में समयानुकूल परिवर्तन करना जैसे दायित्व यह संस्था निभाती रही है। ऐसा क्या हुआ कि सरकार को एमसीआई का स्वरूप बदलने की आवश्यकता महसूस हुई? नियमों का हवाला देकर एमसीआई ने ऐसा करने में असमर्थता दिखाई। देश में अभी हजार रोगियों पर एक डॉक्टर भी नहीं है। सरकार का उद्देश्य है कि इस अनुपात को 700-500 रोगियों पर एक डॉक्टर तक लाया जाए। लेकिन, एमसीआई के सामने चिकित्सा की गुणवत्ता बनाए रखने का उद्देश्य था। फिर एमसीआई ने कुछ खामियों की वजह से देश के 184 मेडिकल कॉलेजों की मान्यता रोक रखी थी। पीजी कोर्स की सीटें बढ़ाने का सरकार का आग्रह भी गंभीरता से नहीं लिया गया।

सरकार ब्रीज कोर्स वाला प्रावधान हटाने की बात मानी है। 'नेशनल मेडिकल कमीशन' की स्थापना के पीछे सरकार का उद्देश्य सही भी हो सकता है पर आज की तारीख में दुनिया में भारत की मेडिकल शिक्षा का स्तर अच्छा समझा जाता है। लेकिन, आशंका है कि नए कदम से यह स्तर नीचे गिरकर हम मेडिकल के क्षेत्र में चीन व रूस जैसी स्थिति में न चले जाएं, क्योंकि गुणवत्ता के लिए नियामक संस्था में स्वायत्तता जरूरी है।

चुनाव प्रबंधन में भी दक्ष हैं अरुण सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह को पार्टी ने ओडिशा (उड़ीसा) जैसे राज्य का दायित्व सौंपा जहां भाजपा काफी पीछे थी लेकिन अब वह सत्ता की दौड़ में आगे दिखााई पड़ रही है। अरुण सिंह ने प्रचार-प्रसार से दूर रहकर पार्टी का प्रभााव क्षेत्र बढ़ाया है। उन्हें 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में प्रचार कार्य सौंपा गया था और उन्होंने सफलतापूर्वक इस दायित्व का निर्वहन किया था। इसी प्रकार 2017 में जब पांच राज्यों के विधानसभाा चुनाव हुए थे, तब उत्तर प्रदेश में श्री अरुण सिंह चुनावी प्रबंधन में शामिल थे और भाजपा को यूपी में उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली थी। अब 2019 के लोकसभाा चुनाव की तैयारी भाजपा ने अभाी से शुरू कर दी है तो अरुण सिंह का करिश्मा फिर देखाने को मिल सकता है।

- हिंदुस्तान समाचार फीचर सेवा

रुद्राक्ष डेंटल केयर एंड इम्प्लांट सेण्टर

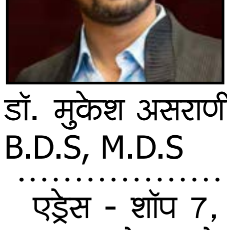

डॉ. मुकेश असराणी
B.D.S, M.D.S

डॉ. गीता असराणी
B.D.S

- टीथ व्हाइटनिंग
- कॉस्मेटिक फिलिंग
- एक्सट्रैक्शन
- फ्लेप सर्जरी
- रूट कैनाल ट्रीटमेंट
- इम्प्लांट

M. 9879417217

एड्रेस - शॉप 7, कृष्णा कॉलोनी, ऑप. टोयोटा शोरुम मेन रोड, खोखरा सर्कल, मणीनगर, अहमदाबाद

खेमचंद असराणी
मार्केटिंग कंसलटेंट एंड एडवाइजर
1/B दीपरचा एपार्टमेंट, मणीनगर, अहमदाबाद
M. 98246 74186 Ph. 079-22775841

स्टेचू ऑफ यूनिटी - एकता यात्रा

गुजरात सरकार

अहमदाबाद में सिन्धी समाज का 11वां सामूहिक विवाह सम्मेलन

अहमदाबाद सिन्धी समाज द्वारा आयोजित 11वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में उपस्थित मुख्यमंत्री ने 50 नवविवाहित युगलों को आशीर्वाद दिया।

मणिनगर में आयोजित इस सम्मेलन में श्री रूपाणी ने कहा कि आज के युग में खर्चीले विवाह समारोह के स्थान पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित कर खर्चों को कम किया जा सकता है। विवाह सिर्फ दो व्यक्तियों का नहीं वरन दो परिवारों का मिलन है।

एक दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होकर अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए जीवन जीने की भावना के साथ दोनों परिवार रहें तो समाज व्यवस्था और ज्यादा सुदृढ़ हो सकेगी।

बेटियां पराये घर जाती हैं और नये माहौल में भी अनुकूल होकर रहती हैं, यह सामर्थ्य उनमें होता है। परिवारों को भी बेटी को लक्ष्मी का स्वरूप मानकर उन्हें सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार बेटी की आगमन के बाद बेटों का भाग्य भी बदल जाता है। बेटियों के मान सम्मान का ख्याल सभी को रखना चाहिए और यही हमारा फर्ज़ भी है।

श्री नरेन्द्र भाई सोमाणी द्वारा आयोजित इस सामूहिक विवाह सम्मेलन की सराहना करते हुए रूपाणी ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज से लिया हुआ समाज को ही लौटाने की परम्परा है।

सिन्धी समाज के अग्रणी श्री नरेन्द्र भाई सोमाणी ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन की अनोखी परम्परा सिन्धी समाज ने शुरु की है। इस वर्ष 50 युगल इसमें शामिल हुए हैं, जो प्रशंसनीय है।

कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री सुरेशभाई पटेल, बलराम थवाणी, मेयर श्रीमती बिजलबेन पटेल, समाज के अग्रणी राजुभाई वासवाणी, लालभाई वासवाणी, पूर्व विधायक श्रीमती मायाबेन कोडनानी, श्रीमती निर्मलाबेन वाधवाणी और कई अग्रणियों के साथ ही सिन्धी समाज के लोग और अन्य नागरिक भी उपस्थित थे।

उदयपुर में 13 वा परिचय सम्मलेन

ता. 23 दिसंबर 2018 को रविवार के दिन सिंधी साहित्य पंचायत उदयपुर द्वारा 13 वा परिचय सम्मेलन रखा गया हैं, पंजीकरण के हेतु निचे दिए गए पते और नंबर पर संपर्क करे.
हरकृष्ण गोर्धनदास, 32, बापू बाजार, उदयपुर, राजस्थान.
मो. 9928289862, 9414311853

हितेश दादवाणी MDRT ADVISOR
की तरफ से
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाए

SBI Life INSURANCE
With Us, You're Sure

- General Insurance
- Life Insurance
- Child Education
- Retirement Planning
- Mutual Fund
- Home Loan
- Business Loan

A-408 4th FLOOR
DEVARSHI SHINE,
NEAR KAILASH ROYAL,
NANA CHILODA,
AHMEDABAD-382330

मो. 9979026137

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया